राजधानी •
वर्ष 18 | अंक 250 | पृष्ठ : 16+4+16
मूल्य : चार रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

नई दिल्ली
शुक्रवार, 18 दिसंबर 2020

सुप्रीम सुनवाई | आंदोलन किसानों का हक...क्या वार्ता से पहले तीनों कानून पर अमल टाल सकते हैं | दिल्ली-एनसीआर

देश का गौरव व ग्लोबल ब्रांड बनेगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

सीएम योगी आदित्यनाथ ने एयरपोर्ट के नाम, लोगो व डिजाइन को दी मंजूरी, लोगो में दिखेगा 'सारस' का अक्स

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। जेवर में बनने वाले एयरपोर्ट का नाम नोएडा इंटरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, जेवर होगा। इसके लोगो में राज्य पक्षी सारस का अक्स है और डिजाइन लंदन, मॉस्को व मिलाने एयरपोर्ट की तर्ज पर तैयार की गई है। बृहस्पतिवार को इस एयरपोर्ट के नाम, लोगो व डिजाइन को मंजूरी देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह विश्व के बेहतरीन हवाई अड्डों में से एक होगा। सरकार इसमें कोई कमी नहीं छोड़ेगी। यह एयरपोर्ट न केवल भारत का गौरव बनेगा बल्कि इसे 'ग्लोबल ब्रांड' के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

एयरपोर्ट की डिजाइन का प्रस्तुतीकरण देखते हुए मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर कहा कि इसका निर्माण चार चरणों में होगा। शुरुआती क्षमता 1.20 करोड़ यात्री प्रति वर्ष की होगी। 2050 तक यह क्षमता 7 करोड़ यात्री प्रति वर्ष तक कर दी जाएगी। पहले चरण में दो रनवे होंगे, जिसे बढ़ाकर पांच किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिक उड्डयन बहुआयामी प्रगति का माध्यम है। एयरपोर्ट बनने से प्रदेश का औद्योगिक विकास होगा, पर्यटन में वृद्धि होगी, विनिर्माण एवं निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और हवाई यातायात सुगम होगा।

प्रदेश के नागरिक उड्डयन विभाग के निदेशक सुरेंद्र सिंह ने कहा कि कंसेशन एग्रीमेंट की शर्तों के अनुसार राज्य सरकार सहायता एग्रीमेंट की कार्यवाही 5 अप्रैल 2021 तक की जानी है। इस संबंध में कंसेशनायर यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड को पत्र भेजा जा चुका है। एयरपोर्ट लिए आवश्यक 1334 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण की कार्यवाही पूरी हो गई है। पुनर्वास व विस्थापन के लिए भी 48.097 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि फिलहाल 2 रन-वे के लिए भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। अन्य के लिए 3418 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही जल्द शुरू होगी।

हाई स्पीड रेल और मेट्रो से भी जुड़ेगा

लखनऊ। नोएडा इंटरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट जेवर को दिल्ली-वाराणसी हाई स्पीड रेल परियोजना और नोएडा से जेवर मेट्रो रेल परियोजना से जोड़ा जाएगा। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट दिल्ली से जेवर एयरपोर्ट तक राह आसान करने के लिए सड़क मार्ग भी बनाया जाएगा। एयरपोर्ट को विश्वस्तरीय बनाने के लिए भारत सरकार और प्रदेश सरकार के स्तर पर योजना बनाई जा रही है। नागरिक उड्डयन विभाग के निदेशक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि हाई स्पीड रेल दिल्ली से नोएडा, जेवर, मथुरा, आगरा, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, रायबरेली, प्रयागराज, भदोही होते हुए वाराणसी

लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मथुरा और प्रयागराज से सीधा संपर्क

तक जाएगी। 816 किमी लंबा सफर 300 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पूरा किया जाएगा। हाई स्पीड रेल का स्टेशन जेवर एयरपोर्ट के पास बनाया जाएगा। इसके लिए हाई स्पील रेल कॉरिडोर लिमिटेड, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड और ज्यूरिख एयरपोर्ट के अधिकारियों के बीच बैठक भी हुई है। ब्यूरो

इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से जुड़ेगा

नोएडा एयरपोर्ट को सड़क मार्ग के जरिए दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए राइट्स की ओर से अध्ययन किया गया है। हरियाणा के बल्लभगढ़ से गुजरने वाले दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे को जेवर एयरपोर्ट से जोड़ा जाएगा। इसके लिए यूपी की सीमा में बनने वाले 8.5 किमी मार्ग के लिए आवश्यक भूमि प्रदेश सरकार उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा के परी चौक स्टेशन से जेवर एयरपोर्ट तक मेट्रो रेल परियोजना पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार कर रही है।